Pg (1) 23-7-2020

B.A III (H) Seema Singh

Home-Science

Q. पारिवारिक संबंधों को पड़ोसी किस प्रकार प्रभावित करते हैं?

Ans मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है उसे अपनी आवश्यकताओं एवं हितों की पूर्ति के लिए समाज आवश्यकता होती है। बालक का जन्म परिवार में होता है एवं वहीं उसकी मूल आवश्यकता की पूर्ति भी होती है, परंतु वह अपने आस-पड़ोस के प्रभाव से अलग नहीं रह सकता है। बच्चों पर परिवार के प्रभाव के बाद निकटतम प्रभाव अपने पड़ोसियों तथा पर्यावरण का ही पड़ता है।

पारिवारिक संबंध पड़ोसियों द्वारा प्रभावित होते हैं। प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को समाज द्वारा जिसका वह सदस्य है, विशेष रूप से निर्धारित परिस्थितियों और पर्यावरण के अनुसार ढालने का प्रयत्न करता है। पारिवारिक संबंधों में पड़ोसियों का प्रभाव पड़ने में निम्नलिखित तत्व अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

(1) पड़ोस परिवार और पड़ोसी समाज के अभिन्न अंग हैं ⇒ पड़ोसी ही सुख-दुख में एक दूसरे की सहायता करते हैं। आज एकल परिवार में अचानक दुर्घटना हो जाने पर, रिश्तेदारों की अपेक्षा पड़ोसी ही मदद करते हैं। मदद पाने एवं देने की प्रवृत्ति अपने व्यवहार पर निर्भर करती है। आपस में अन्योन्य क्रिया से ही व्यक्ति अच्छा सामाजिक

(2) व्यक्ति की शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक स्थिति एवं परंपरा → कोई भी बच्चा अपनी शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं के अनुरूप हो वह परिवार की संस्कृति को धारण करता है।

ये कम होने से वह पर्यावरण का पूरा लाभ नहीं उठा पाता है। इसी प्रकार यदि पड़ोसी उचित न हो तो ये क्षमताएं उच्च कोटि की होने पर भी बालक का उचित विकास नहीं हो पाता है एवं वह बुरी लत में पड़ जाता है। उचित पड़ोसी न मिलने के कारण बहुत से लोग अपने विशिष्ट गुणों का प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं।

(3) परिवार तथा पड़ोस या समूह की संस्कृति → कभी-कभी यह भी देखा जाता है कि व्यक्ति पर्याप्त बौद्धिक और शारीरिक क्षमता रखते हुए भी अपने विशिष्ट अनुभवों के कारण पड़ोस तथा परिवार का पूरा लाभ नहीं उठा पाता; क्योंकि उसके निजी अनुभवों ने उस व्यक्ति को पड़ोस तथा पर्यावरण से दूर ही रखा है। जैसे-जैसे आयु में बड़ा होता है उसे जीवन में एक के बाद दूसरा कटु अनुभव हो जाता है। पारिवारिक संबंधों को बनाने में परिवार का योगदान सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। बच्चा अपने परिवार के सदस्यों के व्यवहार से काफी कुछ सिखता है। परिवार के पश्चात उसपर मित्रों, पड़ोसी, स्कूल, समाज का प्रभाव पड़ता है।

Scanned with CamScanner

वह पड़ोसियों के व्यक्तित्व और रहन-सहन से प्रभावित होता है यदि पड़ोसी सभ्य है तो उसकी शिष्टता का छाप परिवार पर भी पड़ती है, आस-पास ~~का~~ के लोग बच्चा कहेंगे इस भावना के कारण हम अपना अपने परिवार का आदर्श ऊँचा उठाना चाहते हैं।

(4) बालक के विकास एवं पारिवारिक संबंधों पर संगी-साथी, पड़ोसियों का प्रभाव :- बालक के संगी-साथियों का बालक के व्यवहार, अभिरुचियों एवं 'स्व' संबंधी कल्पनाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। बालक अपने संगी-साथियों के प्रति उपनत्व का अनुभव करते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि पड़ोसियों का स्तर भी हमारे स्तर के समान हो या उसके स्तर के समान हम अपना स्तर बनाना पड़ता है। यदि हमारे आर्थिक और सामाजिक स्तर के पड़ोसी का स्तर अधिक ऊँचा है ~~है~~ तो उसके बच्चे हमारे बच्चों से मिलना खेलना नहीं चाहेंगे। उनका आर्थिक स्तर ऊँचा होने से कम आर्थिक स्तर वाले परिवार के बालक अपने को हीन समझने लगता है।

कुछ पड़ोसी बालक से असामाजिक क्रियाएँ करने को आदत होती है जैसे - आपस में झगड़ा करना, दूसरों का चुगली करना, सिगरेट पीना, मद्यपान करना, दूसरों के खिलौने, फल-फूल चुरा लेना या तोड़ देना इन असामाजिक क्रियाओं का भी

Scanned with CamScanner

बालकों पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

प्रायः पड़ोसी बच्चों से आपस में झगड़ा हो ही जाता है ऐसे में बड़ों को नहीं पड़ना चाहिए। दोनों पक्षों को समझाकर समस्या का समाधान करना चाहिए तथा पारिवारिक शांति बनी रहती है पड़ोसी सबसे अधिक दोस्त हितैषी भी हो सकते है ईश्वर के अनुसार समाज विरोधी व्यवहार दूसरे लोगों के साथ रहने के प्रति अरुचि हो इस भावना को जाग्रत नहीं होने देना चाहिए